i) उत्पादन क्षेत्र —

देश में प्रमुख धान उत्पादन राज्यों में पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, उड़ीसा, बिहार व छत्तीसगढ़ है। (पूरे देश में 36.95 मिलीयन हेक्टेयर में धान की खेती होती है) मिस्त्र, इटली, स्पेन, ब्राजील, यू.एस.ए. अन्य प्रमुख उत्पादक देश है।

2. गेहूँ —

गेहूँ खाद्यान्नों में सबसे महत्वपूर्ण खाद्य पदार्थ है। विश्व में सबसे अधिक क्षेत्रफल की भूमि पर उत्पन्न किया जाने वाला खाद्यान्न गेहूँ है। इसकी कृषि लगभग 5000 वर्ष पूर्व से होती आ रही है। संसार की लगभग आधी जनसंख्या अपने भोजन के लिए गेहूँ पर निर्भर है।

भौगोलिक परिस्थितियाँ

i) तापमान —

गेहूँ की बुआई अधिकतम तापमान 19 से 20 डिग्री पर कर सकते है।

ii) वर्षा —

गेहूँ के पौधों को सामान्यतः 75cm वार्षिक वर्षा की आवश्यकता होती है।

iii) मिट्टी —

गेहूँ के लिए दोमट व हल्की चिकनी मिट्टी की आवश्यकता होती है।

iv) जमीन —

गेहूँ के लिए भूमि प्रायः समतल होनी चाहिए जिससे मशीनों का प्रयोग आसानी से हो सके।

Scanned with CamScanner

उगाने पशुपालन कार्य प्रणाली की कला की को कृषि कहते हैं।

कृषि मानव का सबसे महत्वपूर्ण व्यवसाय है, क्योंकि इससे समस्त संसार की भोजन वस्तु की आवश्यकतायें पूर्ण होती हैं। ऐसा अनुमान है कि कृषि का प्रारम्भ दक्षिणी-पश्चिमी एशिया में लगभग 9000 ईसा पूर्व हुआ था।

Scanned with CamScanner

चाय के लिए न्यूनतम तापमान 21°C से 27°C तक उपयुक्त होती है

ii) वर्षा —

चाय के लिए न्यूनतम वर्षा 125 से 150cm होना चाहिए।

iii) मिट्टी —

हलकी बलुई मिट्टी इसके लिए उपयुक्त रहती है

iv) जमीन —

इसकी उपज के लिए उपजाऊ भूमि की आवश्यकता होती है चाय के लिए ढाल भूमि का बड़ा महत्व है चूँकि इसको अधिक पानी की जरूरत होती है इसलिए यदि भूमि ढालु न हुई, तो पानी जड़ों में एकत्रित हो जाएगा।

v) उत्पादन क्षेत्र —

भारत में चाय के मुख्य उत्पादन राज्य असम, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, तामिलनाडु, कर्नाटक, और केरल हैं। चाय के प्रमुख उत्पादन देश भारत, चीन, जापान, रूस, बांग्लादेश, इण्डोनेशिया आदि हैं। अन्य - चाय के पौधे का उत्पादन भारत में पहली बार सन् 1835 में अंग्रेज सरकार द्वारा परीक्षण के रूप में व्यपारिक पैमाने पर किया गया था। विश्व में चाय के उत्पादन में भारत का पहला स्थान है

5. तिलहन

सभी प्रकार के तेल बीजों का तिलहन कहा जाता है। ये विभिन्न प्रकार के पौधों अथवा वृक्षों के फलों से प्राप्त होते हैं। तेल - बीजों से वनस्पति तेल प्राप्त

iv) जमीन —

गन्ने की खेती में बड़ी मात्रा में श्रमिकों की आवश्यकता होती है गन्ने की खेती 37° उत्तरी अक्षांश से 36° दक्षिणी अक्षांश के बीच सफलतापूर्वक की जा सकती है

v) उत्पादन क्षेत्र —

भारत में गन्ने की खेती का मुख्य भाग अर्ध उष्णकटिबंधीय भाग है इस क्षेत्र में उत्तर प्रदेश, उत्तरांचल, बिहार, पंजाब, हरियाणा, मुख्य गन्ना उत्पादक राज्य है

विश्व में गन्ने की खेती, ब्राजील, भारत, क्यूबा, चीन, मैक्सिको, पाकिस्तान, आस्ट्रेलिया, फिलिपिन्स यू. एस. ए. में की जाती है

4. चाय —

चाय एक प्रिय पेय पदार्थ है चाय एक प्रकार की झाड़ी की सूखी हुई पत्तियों का नाम है इसकी ऊँचाई लगभग 1.5 मीटर होती है चाय मूलतः मानसूनी जलवायु का पौधा है चीन और भारत इसके जन्म का स्थान माने जाते है चाय उष्ण और आर्द्र मानसूनी प्रदेश इसकी पैदावार के लिए आदर्श स्थान है। चाय मुख्यतः तीन प्रकार की होती है

i) काली चाय
ii) हरी चाय
iii) गद्दी चाय

भौगोलिक परिस्थितियाँ

i) तापमान —

Scanned with CamScanner

iv) जलवायु — साधारणतया मछली के लिए शीतोष्ण प्रदेशीय (Temperate) जलवायू बहुत उपयुक्त रहती है। यद्यपि उष्ण कटिबन्धीय समुद्रों में भी मछलियाँ पायी जाती हैं परन्तु उष्ण प्रदेशों की मछलियाँ स्वाने में कम स्वादिष्ट होती हैं और कुछ विषैली भी होता है।

4. आखेट और भोजन संग्रहण किसे कहते हैं?

Ans-> आखेट जीविकोपार्जन का सबसे पुराना माध्यम है मानव के अस्तित्व से ही उसने जीविका पार्जन हेतु आखेट को मुख्य स्रोत के रूप में अपनाया। कृषि के उ तक यह अर्थ संसाधन के प्राथमिक स्त्रोत के रूप में चलता रहा। परन्तु कृषि आरम्भ होने के बाद भी मानव इसे भुला नहीं और सेकेंडरी इकोनोमी के रूप में इसका उपयोग करता रहा। आज भी कुछ ऐसे निश्चित जनजातिय और लोक समुह हैं जो आखेट को भोजन हेतु प्रयोग कर रहे हैं यद्यपि आखेट आज हर तरफ प्रतिबंधित है।

5. कृषि के मुख्य आधार क्या है?

Ans-> विस्तृत अर्थों मे कृषि का अर्थ फसलों के उत्पादन एंव पशुओ के पालन से लगाया जाता है किन्तु संकुचित अर्थ में कृषि का आशाय विभिन्न प्रकार की फसलो के उत्पादन से ही कृषि का मुख्य आधार मिट्टी को जोड़ने, गोड़ने, फसल उगाने पशुपालन कार्य प्रणाली को कला है। कृषि उत्पादों से मनुष्य को भोजन की आपूर्ति के साथ-साथ उद्योग - धंधो के लिए कच्चे मालों कि पूर्ति भी होती है।

Scanned with CamScanner

सकती है। इस विधि से धरातल की मिट्टी हटाकर खनिज की परतों को खोदा जाता है।

(2) खनिकूप (shaft mining) — ये खाने काफी गहरी होती हैं। इन खानों में लिफ्ट मशीन, बेधन मशीन तथा शुद्ध हवा जाने की व्यवस्था होती है। इन खानों में आग, गैस, बाढ़ का खतरा बना रहता है। कोलार स्वर्ण सोना की खान 2.5 कि०मी गहरी है।

3. मुख्य उत्पादन के लिए अनुकूल दशाओं को लिखें।

Ans -> मछलियाँ प्राप्ति की अनुकूल दशायें निम्नलिखित हैं —

i) छिछले समुद्र (shallow seas) — कुछ कम गहरे छिछले समुद्र तट मछली के लिए बहुत अनुकूल होते हैं। क्योंकि 100 फैदम की गहराई तक सूर्य की किरणें सरलता से पहुँच जाती हैं। मछलियों का भोजन एक प्रकार की काई जैसी वनस्पति और प्लैंकटन (Blankton) नामक जीवाणु है।

ii) नदियों के मुहाने — प्लैंकटन नामक छोटे-छोटे जीवों और पौधों के लिए नाइट्रोजन, कार्बन डाइऑक्साइड गैस तथा खनिज लवणों की अत्यन्त आवश्यकता होती है, जो नदियों द्वारा बहाकर समुद्र में लाये जाते हैं।

iii) समुद्री धाराएँ — जहाँ ठंडी और गर्म समुद्री धाराएँ मिलती हैं, वे स्थान भी मछलियों के रहने के मुख्य क्षेत्र होते हैं, क्योंकि ये विभिन्न धाराओं के मिलने पर प्लैंकटन नामक जीव बहुत पैदा होते हैं। उदाहरण जापान और न्यूफाउण्डलैंड के उत्तरी क्षेत्रों में गर्म तथा ठंडी धाराएँ मिलती हैं।

1. पशुपालन क्या है? इसे कितने वर्गों में बाँटा जा सकता है
Ans-> पशुओं को पालना ही पशुपालन कहा जाता है पशु मनुष्य की अनेक आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं विश्व के विभिन्न भागों में पशुचारण व्यवसाय किया जाता है। पशुचारण विस्तृत घास के मैदानों, मरूस्थलीय और अर्द्ध मरूस्थलीय क्षेत्रों, टुण्ड्रा प्रदेशों में मुख्य है पशुओं से मांस, दूध, ऊन, खाल तथा अन्य प्रकार की वस्तुओं को प्राप्त किया जा सकता है
पशुपालन व्यवसाय के दो भागों में बाँटा जा सकता है.

i) चलवासी पशुचारण — यह पशुओं पर आधारित जीवन निर्वाह करने की प्रक्रिया है इसमें जो लोग पशुपालन व्यवसाय करते है वे पानी एवं चारे की खोज में अपने पशुओं के साथ विचरण करते है उन्हें चलवासी पशुचारण कहा जाता है

ii) व्यापारिक पशुचारण — व्यापारिक पशुपालन ऐसे शुष्क एवं अर्द्ध शुष्क प्रदेश में विकसित हुआ है जहाँ यूरोपीय लोग आकर बसे है। इन लोगों ने अपने अनुसार अनुकूल परिवर्तन कर दिये है। व्यापारिक पशुपालन के लिए आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड, दक्षिणी अमेरिका, पेटागोनिया, ब्राजील, के पठारी प्रदेश अधिक महत्वपूर्ण है

2. खनन का अर्थ और प्रकारों को लिखें।
Ans-> भू-गर्भ को खोदकर खनिजों को निकालने की क्रिया को खनन कहते है
खनन के दो प्रकार है

i) खुली खान — (opencost mining) = यह खनन प्रक्रिया अपेक्षाकृत आसान

होता है। इस तेल का प्रयोग भोजन बनाने एवं औद्योगिक कार्यों में किया जाता है आज इसका प्रयोग खाने के लिए ही नहीं अपितु कृत्रिम घी, रंग रोगन, वार्निश तथा साबुन आदि बनाने वाले उद्योगों में भी किया जाता है बढ़ती माँग के कारण आजकल तेल अनेक पदार्थों से प्राप्त किया जाता है। वनस्पति तेल प्राप्ति के प्रमुख स्त्रोत में ताड़, नारियल, सोयाबीन, मूंगफली, सरसों, तिल, अलसी, जैतुन और बिनौला प्रमुख है।

भौगोलिक परिस्थितियाँ —

i) तापमान — तिलहन के लिए न्यूनतम तापमान 20°C से 30°C तक होना चाहिए।

ii) वर्षा — तिलहन के लिए न्यूनतम वर्षा 50 से 75cm होना चाहिए।

iii) मिट्टी — इसकी खेती के लिए अच्छी तरह से सुखा स्व क्रीमट, लाल, पीली और काली मिट्टी उपयुक्त है

4. कृषि क्या है? इसके महत्व को लिखें।

Ans→ कृषि सभी आर्थिक क्रियाओं का केन्द्र है यह मनुष्य का प्रधान प्राथमिक व्यवसाय होने के साथ ही विनिर्माण उद्योगों (द्वितीयक व्यवसाय) के लिए आधारशिला भी है। विस्तृत अर्थों में कृषि का अर्थ फसलों के उत्पादन एवं पशुओं के पालन से लगाया जाता है किन्तु संकुचित अर्थ में कृषि का आशय विभिन्न प्रकार की फसलों के उत्पादन से है। दूसरे शब्दों में, मिट्टी को जोड़ने, गोड़ने, फसल

Scanned with CamScanner

v) उत्पादन क्षेत्र –

गेहूँ के सबसे प्रमुख उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश, पंजाब, तथा हरियाणा में हरित क्रांति के प्रयोगों से उच्च उत्पादकता तथा उत्पादन की मात्रा अधिक प्राप्त की गई है इसके उत्पादन में रूस, यू. एस. ए., चीन, भारत, फ्रांस, आस्ट्रेलिया, टर्की, पाकिस्तान, अर्जेन्टीना विशेष उल्लेखनीय है

3. गन्ना –

भारत की एक प्रमुख नकदी फसल है जिससे चीनी, गुड़, शराब, आदि का निर्माण होता है। गन्ने का उत्पादन सबसे ज्यादा ब्राजील में होता है और भारत का गन्ने की उत्पादकता में संपूर्ण विश्व में दूसरा स्थान है

भौगोलिक परिस्थितियाँ

i) तापमान – गन्ने की खेती के लिए तापमान 21° से 27° होना चाहिए।

ii) वर्षा –

गन्ने की खेती के लिए वर्षा 75 से 120 cm होनी चाहिए।

iii) मिट्टी –

गन्ने की खेती के लिए गहरी दोमट मिट्टी होनी चाहिए। गन्ने की खेती लाल और पीली मिट्टी, तथा काली मिट्टी में भी की जाती है

Scanned with CamScanner